संस्कृत की विशेषता

(मालिनी छंद)

अहि-रिप्-पति-कांता तात-संपूज्य-कांता हर-तनय-निहन्त्-प्राणदात्-ध्वजस्य। सखि-स्त-स्त-कांता तात-संपूज्य-कांता पितृशिरसि वहन्ति जाहनवी मां प्नात्॥ (स्भाषित रत्न भांडाकार) अर्थ--

अहि-साप उसका शत्रु गरुड उनके स्वामी विष्ण् उनकी पत्नी लक्ष्मी उनके पिता समुद्र उनकी पूजा करने वाले राम उनकी पत्नी सीता उनका हरन करने वाला रावन उनका पुत्र ईन्द्रजित उसके द्वारा घायल हुआ लक्ष्मण उनके प्राण देने वाले हन्मान वो जिसकि ध्वजा पे बैठे वो अर्ज्न उनके मित्र कृष्ण उनके प्त्र प्रद्युम्न उनके पुत्र अनिरुद्ध उनिक पत्नी उषा उनके पिता बाणास्र उसने जिनकी पूजा की वो भगवान शिव उनिक पत्नी मां पार्वती उनके पिता हिमालय और उस हिमालय से बहनें वाली जाहनवी अर्थात् गंगाजी मुजे पवित्र करे. साप से शुरू ह्आ श्लोक गंगाजी



Date: Sept 5, 2021

Sanskrit Word	Hindi Word	Who
अहि	साप	साप
रिपु पति	शत्रु	गरुड
पति	स्वामी	विष्णु
कांता	पत्नी	लक्ष्मी
तात	पिता	समुद्र
तात संपूज्य कांता	पूजा करने वाले	राम
कांता	पत्नी	सीता
हर	हरन	रावन
तनय	पुत्र के द्वारा घायल	ईन्द्रजित
निहन्तृ	के द्वारा घायल	लक्ष्मण
प्राणदातृ	प्राण दातृ जिस कि ध्वजा पर बैठे	हनुमान
ध्वजस्य	जिस कि ध्वजा पर बैठे	अर्जुन
संखि	मित्र	कृष्ण
सुत सुत कांता	पुत्र पुत्र	प्रद्युम्न
सुत	पुत्र	अनिरुद्ध
कांता	पत्नी	उषा
	पिता	बाणासुर
संपूज्य	की पूजा की	शिव
कांता	पत्नी	पार्वती
पितृ	पिता	हिमालय
शिरसि	शिर	
वहन्ति	वहने वाली	
जाहनवी मां पुनातु	जाहनवी	पवित्र मां गंगाजी

Sanskrit: A Unique, Matured, **Highly** Structured, Rich

Language

- Sanskrit has 1. the capability
- A daisy chain 2.
- 3. One word for a sentence, paragraph, Chapter, book.
- 4. Very compact language.
- **Potential** 5. applications should be explored in Crypto communication, **Programming** languages, Passwords and Taxonomy.

